मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–142

बी. ए. (सामान्य)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच एवं नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* 4×15=60

1. नाट्यमण्डप के प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. नाट्यगृह की निर्माण विधि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. पठित अंश के आधार पर षड्दारुक निर्माण स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

4. विभिन्न आचार्यों के अनुसार नाट्य की परिभाषा को स्पष्ट कीजिए।

5. नाट्य की उत्पत्ति तथा विकास का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. नायक की परिभाषा तथा भेदों को समझाइये।

7. रस की निष्पत्ति किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

8. व्यभिचारी भाव के लक्षण तथा भेदों को विस्तार से समझाइये।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. वैदिककालीन तथा मध्यकालीन रंगमंच को समझाइये।

2. रंगमंच के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. आधुनिक युग में संस्कृत रंगमंच से क्या समझते हैं ?

4. रंगमंच के प्रसिद्ध निर्देशक पर अपने विचार लिखिए।

5. अर्थप्रकृतियों का परिचय दीजिए।

6. काष्ठ विधि और भित्ति कर्म का उल्लेख कीजिए।

7. किन्हीं **चार** नाटकों को उदाहरण सहित लिखिए।

8. विश्वनाथ तथा अन्य आचार्यों के मतानुसार नाट्य का स्वरूप प्रदर्शित कीजिए।

× × × × ×